रहस्य संदेश
पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र
एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजि
25 : 06 : 2026 | वर्ष 20 अंक 165 | RNI-No. UP

कृषि तकनीकी सहायक पद पर चयन में सीएसए के छात्रों का दबदबा

रहस्य संदेश | अनवर अशरफ़

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की सेवायोजन निदेशक डॉक्टर विजय यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश कृषि विभाग द्वारा कृषि तकनीकी सहायक के 3446 पदों को विज्ञापित किया गया था, जिसमें चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर में अध्यनरत 125 से अधिक छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में पारा आउट छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है, जिनका ऑकलन किया जा रहा है। डा० विजय कुमार यादव, निदेशक सेवायोजन ने अवगत कराया है कि इन छात्र-छात्राओं की सेवायें कृषि विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार की तकनीकियों, बीजों एवं उत्पादन अवययों आदि किसानों को उपयोग कराने में सहयोग करने के साथ ही भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में कृषकों को जागरूक करने में ली जायेंगी। प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से विकसित तकनीक, फसलों की प्रजातियों के प्रदर्शनों को आयोजित करने एवं प्रजाति परीक्षण करने में भी योगदान देंगे। पादप सुरक्षा से सम्बंधित रसायनों जिसमें कीटनाशक, खरपतवारनाशक तथा फफूँदीनाशक रसायनों के प्रयोग की जानकारी भी कृषकों तक पहुँचाने का कार्य किया जायेगा। इतनी बड़ी संख्या में तकनीकी सहायकों की नियुक्ति से प्रदेश में फसल, बागवानी, पशुपालन आदि की उत्पादकता में लक्ष्य के अनुरूप वृद्धि द्वारा किसानों की आय एवं आजीविका में बढ़ोतरी होगी। प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती को भी बढ़ाने में इनका योगदान महत्वपूर्ण होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि कुलपति डा० संजीव गुप्ता ने सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में हर्ष की लहर है

लोक जनसंदेश

वर्ष: 12 अंक: 25 पृष्ठ: 08 कानपुर महानगर, गुरूवार, 25 जून 2026 मूल्य : रु 2.00

कृषि तकनीकी सहायक पद पर चयन में सीएसए के छात्रों का दबदबा

संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की सेवायोजन निदेशक डॉक्टर विजय यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश कृषि विभाग द्वारा कृषि तकनीकी सहायक के 3446 पदों को विज्ञापित किया गया था, जिसमें चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर में अध्यनरत 125 से अधिक छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में पारा आउट छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है, जिनका ऑकलन किया जा रहा है। डा० विजय कुमार यादव, निदेशक सेवायोजन ने अवगत कराया है कि इन छात्र-छात्राओं की सेवायें कृषि विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार की तकनीकियों, बीजों एवं उत्पादन अवययों आदि किसानों को उपयोग कराने में सहयोग करने के साथ ही भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न प्रकार

की योजनाओं के बारे में कृषकों को जागरूक करने में ली जायेंगी। प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से विकसित तकनीक, फसलों की प्रजातियों के प्रदर्शनों को आयोजित करने एवं प्रजाति परीक्षण करने में भी योगदान देंगे। पादप सुरक्षा से सम्बंधित रसायनों जिसमें कीटनाशक, खरपतवारनाशक तथा फफूँदीनाशक रसायनों के प्रयोग की जानकारी भी कृषकों तक पहुँचाने का कार्य किया जायेगा। इतनी बड़ी संख्या में तकनीकी सहायकों की नियुक्ति से प्रदेश में फसल, बागवानी, पशुपालन आदि की उत्पादकता में लक्ष्य के अनुरूप वृद्धि द्वारा किसानों की आय एवं आजीविका में बढ़ोतरी होगी। प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती को भी बढ़ाने में इनका योगदान महत्वपूर्ण होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि कुलपति डा० संजीव गुप्ता ने सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में हर्ष की लहर है।

रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र | एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजि

25 : 06 : 2026 | वर्ष 20 अंक 165 | RNI-No. UP

केवीके द्वारा जैविक खाद पर किसान गोष्ठी का हुआ आयोजन:आय वृद्धि और पर्यावरण संतुलन पर दिया गया जोर

कानपुर (अनवर अशरफ)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से मैथा विकास खंड के गांव पाण्डेय निवादा में किसानों के लिए एक कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य फर्मेंटेड ऑर्गेनिक खाद (FOM) के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाना, किसानों की आय में सुधार करना और पर्यावरण संतुलन बनाए रखना था। इसमें 60 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा, डॉ. खलील खान के मार्गदर्शन में चल रही परियोजना के तहत आयोजित किया गया।किण्वित जैविक खाद (FOM) एक जैविक रूप से स्थिर उत्पाद है, जिसे पशु गोबर, धान की पराली और अन्य कृषि अवशेषों के सूक्ष्मजीविय किण्वन से तैयार किया जाता है। यह प्रक्रिया नियंत्रित वायवीय या अवायवीय परिस्थितियों में होती है। किण्वन के दौरान जटिल कार्बनिक यौगिक विघटित होकर मिट्टी और पौधों के लिए सुलभ पोषक तत्वों में परिवर्तित हो जाते हैं।

एफओएम का प्रयोग मिट्टी की संरचना सुधारने, पोषक तत्व अवशोषण बढ़ाने और मजबूत जड़ विकास के लिए किया जाता है। यह मिट्टी जनित रोगों और कीटों के प्रभाव को कम करता है और बलुई मिट्टी की जलधारण क्षमता बढ़ाता है। साथ ही, इसके प्रयोग से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी भी आती है।गोष्ठी में उपस्थित किसानों ने एफओएम की खूबियों और जैविक खेती में पोषक तत्व प्रबंधन में इसकी उपयोगिता को विस्तार से जाना। यह खाद रासायनिक उर्वरकों पर किसानों की निर्भरता कम करने में सहायक साबित होगा और सतत खेती के लिए उपयुक्त विकल्प के रूप में काम करेगा। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को विस्तार से खुरपका, मुंहपका पशुओं में होने वाले रोगों के प्रबंधन विषय पर किसानों की जानकारी दी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक लखनऊ, कानपुर नगर, गोरखपुर, प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित R.N.I.No.UPHIN/2021/84863

भोलेनाथ टाइम्स

वर्ष : 05 अंक : 181
कानपुर नगर, गुरुवार,
25 जून 2026
मूल्य : 2 रुपया
पृष्ठ : 06

Email: bholenathtimes@gmail.com

कानपुर नगर से प्रकाशित

भक्तों पर ह

अंदर के पृष्ठों पर-पेज-2-विकास को तरस रहे शहर के किनारे के क्षेत्र, 3-भीषण गर्मी में बिजली व्यवस्था सुचारू,ग्रामीण

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग.2026

योगी

कृषि तकनीकी सहायक पद पर चयन में सीएसए के छात्रों का दबदबा

कानपुर नगर(बीएनटी संवाददाता)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की सेवायोजन निदेशक डा. विजय यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश कृषि विभाग द्वारा कृषि तकनीकी सहायक के 3446 पदों को विज्ञापित किया गया था, जिसमें चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर में अध्यनरत 125 से अधिक छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में पारा आउट छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है, जिनका ऑकलन किया जा रहा है। डा. यादव ने अवगत कराया है कि इन छात्र-छात्राओं की सेवायें कृषि विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार की तकनीकियों, बीजों एवं उत्पादन अवययों आदि किसानों को उपयोग कराने में सहयोग करने के साथ ही भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में कृषकों को जागरूक करने में ली जायेंगी। प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से विकसित तकनीक, फसलों की प्रजातियों के प्रदर्शनों को आयोजित करने एवं प्रजाति परीक्षण करने में भी योगदान देंगे। पादप सुरक्षा से सम्बंधित रसायनों जिसमें कीटनाशक, खरपतवारनाशक तथा फफूँदीनाशक रसायनों के प्रयोग की जानकारी भी कृषकों तक पहुँचाने का कार्य किया जायेगा। इतनी बड़ी संख्या में तकनीकी सहायकों की नियुक्ति से प्रदेश में फसल, बागवानी, पशुपालन आदि की उत्पादकता में लक्ष्य के अनुरूप वृद्धि द्वारा किसानों की आय एवं आजीविका में बढ़ोतरी होगी। प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती को भी बढ़ाने में इनका योगदान महत्वपूर्ण होगा।

हिंदुस्तान 25/06/2026

सहायक पद पर सीएसए विवि के छात्रों का दबदबा

कानपुर। उत्तर प्रदेश कृषि विभाग की ओर से कृषि तकनीकी सहायक के 3446 पदों पर भर्ती का परिणाम आया है। इसमें चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के पूर्व छात्रों का दबदबा रहा। विवि से पढ़ाई करने वाले करीब 125 छात्र-छात्राओं चयन हुआ। विवि के निदेशक सेवायोजन डॉ. विजय कुमार यादव ने जानकारी दी। विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बधाई दी।

दैनिक आज 25/06/2026

कृषि तकनीकी सहायक पद पर चयन में सीएसए के छात्रों का दबदबा

कानपुर, 24 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की सेवायोजन निदेशक डॉ. विजय यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश कृषि विभाग द्वारा कृषि तकनीकी सहायक के 3446 पदों को विज्ञापित किया गया था, जिसमें सीएसए में अध्यनरत 125 से अधिक छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। सेवायोजन, निदेशक डा. विजय कुमार यादव ने बताया कि विभिन्न प्रकार की तकनीकियों, बीजों एवं उत्पादन अवययों आदि किसानों को उपयोग कराने में सहयोग करने के साथ विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में कृषकों को जागरूक किया जाएगा। इतनी बड़ी संख्या में तकनीकी सहायकों की नियुक्ति से प्रदेश में फसल, बागवानी, पशुपालन आदि की उत्पादकता में लक्ष्य के अनुरूप वृद्धि द्वारा किसानों की आय एवं आजीविका में बढ़ोतरी होगी। प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती को भी बढ़ाने में इनका योगदान महत्वपूर्ण होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि कुलपति डा0 संजीव गुप्ता ने सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में हर्ष की लहर है।

जैविक खाद से बढ़ेगी उपज और आय, केवीके ने किसानों को किया जागरूक

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से मैथा विकास खंड के गांव पाण्डेय निवादा में किसानों के लिए कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का उद्देश्य फर्मेंटेड ऑर्गेनिक खाद (एफओएम) के जरिए मिट्टी की उर्वरता बढ़ाना, किसानों की आय में सुधार करना और पर्यावरण संतुलन बनाए रखना रहा। कार्यक्रम में 60 से अधिक किसानों ने भाग लिया। यह आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा डॉ. खलील खान के मार्गदर्शन में संचालित परियोजना के तहत किया गया। गोष्ठी में किसानों को बताया गया कि किण्वित जैविक खाद (एफओएम) पशु गोबर, धान की पराली और अन्य कृषि अवशेषों के सूक्ष्मजीवीय किण्वन से तैयार की जाती है। यह प्रक्रिया नियंत्रित वायवीय एवं अवायवीय परिस्थितियों में संपन्न होती है, जिससे कार्बनिक तत्व पौधों के लिए उपयोगी पोषक तत्वों में बदल जाते हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि एफओएम के प्रयोग से मिट्टी की संरचना में सुधार होता है, पोषक तत्वों का अवशोषण बढ़ता है और जड़ों का विकास मजबूत होता है। साथ ही यह मिट्टी जनित रोगों और कीटों के प्रभाव को कम करने में सहायक है। बलुई मिट्टी में जलधारण क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ यह ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करता है। गोष्ठी में किसानों ने जैविक खेती में पोषक तत्व प्रबंधन और एफओएम की उपयोगिता को विस्तार से समझा। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने पशुओं में होने वाले खुरपका और मुंहपका रोगों के प्रबंधन की जानकारी देते हुए किसानों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि जैविक खाद का उपयोग किसानों की रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करेगा और सतत खेती को बढ़ावा देगा।

पाण्डेय निवादा में आयोजित कृषक गोष्ठी में जैविक खेती और पशु रोग प्रबंधन पर दी गई जानकारी

जैविक खाद उपयोग बढ़ायें किसान, आय वृद्धि व पर्यावरण संतुलन पर जोर

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 24 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से मैथा विकास खंड के गांव पाण्डेय निवादा में किसानों के लिए एक कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य फर्मेंटेड ऑर्गेनिक खाद के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाना, किसानों की आय में सुधार करना और पर्यावरण संतुलन बनाए रखना था। इसमें 60 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील खान के मार्गदर्शन में चल रही परियोजना के तहत आयोजित किया गया।किण्वित जैविक खाद (स्नहरू) एक जैविक रूप से स्थिर उत्पाद है, जिसे पशु गोबर, धान की पराली और अन्य कृषि अवशेषों के सूक्ष्मजीविय किण्वन से तैयार किया जाता है। यह प्रक्रिया नियंत्रित वायवीय या अवायवीय परिस्थितियों में होती है। किण्वन के दौरान जटिल कार्बनिक यौगिक विघटित होकर मिट्टी और पौधों के लिए सुलभ पोषक तत्वों में परिवर्तित हो जाते हैं। एफओएम का प्रयोग मिट्टी की संरचना सुधारने, पोषक तत्व अवशोषण बढ़ाने और मजबूत जड़ विकास के लिए किया जाता है। यह मिट्टी जनित रोगों और कीटों के प्रभाव को कम करता है और बलुई मिट्टी की जलधारण क्षमता बढ़ाता है। साथ ही, इसके प्रयोग से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी भी आती है।गोष्ठी में उपस्थित किसानों ने एफओएम की खूबियों और जैविक खेती में पोषक तत्व प्रबंधन में इसकी उपयोगिता को विस्तार से जाना। यह खाद रासायनिक उर्वरकों पर किसानों की निर्भरता कम करने में सहायक साबित होगा और सतत खेती के लिए उपयुक्त विकल्प के रूप में काम करेगा। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने किसानों को विस्तार से खुरपका, मुंहपका पशुओं में होने वाले रोगों के प्रबंधन विषय पर किसानों की जानकारी दी।

किसानों को सम्बोधित करते वैज्ञानिक।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना सं0 : JHS-N-GSU-11-26 दिनांक : 22.06.2026

प्रस्तुत करना है। जासं

तकनीकी सहायक भर्ती में सीएसए का दबदबा

कानपुर : सीएसए के 125 से अधिक छात्र-छात्राओं का चयन उप्र कृषि विभाग में कृषि तकनीकी सहायक पदों पर हुआ है। विश्वविद्यालय के सेवायोजन निदेशक डा. विजय कुमार यादव ने बताया कि चयनित छात्र-छात्राएं किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों और उत्पादन तकनीकों की जानकारी देने का कार्य करेंगे। जासं

दैनिक जागरण 25/06/2026

केवीके की किसान गोष्ठी में जैविक खाद पर जोर, आय बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन का दिया संदेश

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से मैथा विकासखंड के पाण्डेय निवादा गांव में किसानों के लिए कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का उद्देश्य फर्मेंटेड ऑर्गेनिक खाद (एफओएम) के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाना, किसानों की आय में सुधार करना और पर्यावरण संतुलन बनाए रखना रहा। कार्यक्रम में 60 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में डॉ. खलील खान के मार्गदर्शन में संचालित परियोजना के तहत आयोजित किया गया। गोष्ठी में किसानों को बताया गया कि किण्वित जैविक खाद (एफओएम) पशु गोबर, धान की पराली और अन्य कृषि अवशेषों के सूक्ष्मजीवीय किण्वन से तैयार की जाती है। यह प्रक्रिया नियंत्रित वायवीय और अवायवीय परिस्थितियों में पूरी होती है, जिससे जटिल कार्बनिक तत्व पौधों के लिए उपयोगी पोषक तत्वों में बदल जाते हैं।

विशेषज्ञों ने बताया कि एफओएम के प्रयोग से मिट्टी की संरचना मजबूत होती है, पोषक तत्वों के अवशोषण की क्षमता बढ़ती है और पौधों की जड़ों का विकास बेहतर होता है। इसके साथ ही यह मिट्टी जनित रोगों और कीटों के प्रभाव को कम करने में भी सहायक है। बलुई मिट्टी में इसकी मदद से जलधारण क्षमता भी बढ़ती है, जिससे फसल उत्पादन में सुधार होता है।

गोष्ठी में किसानों को यह भी बताया गया कि जैविक खाद के प्रयोग से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आएगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने किसानों को पशुओं में होने वाले खुरपका-मुंहपका रोग के प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी और बचाव के उपाय बताए। कार्यक्रम में किसानों ने जैविक खेती और पोषक तत्व प्रबंधन से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों से संवाद भी किया।